समर स्कूल "लाइवस्टाक वेलफेयर अण्डर चेंजिग क्लाइमेट सेनेरियो फार इम्प्रूवड प्रोडक्टविटी" का आज समापन

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के पशुधन उत्पादन प्रबन्धन द्वारा 21 दिवसीय समर स्कूल "लाइवस्टाक वेलफेयर अण्डर चेंजिग क्लाइमेट सेनेरियो फार इम्प्रूवड प्रोडक्टविटी" का आज समापन हो गया। यह समर स्कूल 7 जून से प्रारम्भ होकर 27 जून तक चला। इस समर स्कूल में देश के विभिन्न प्रांतो से आये 23 सहायक प्राध्यपकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक, डा. आर.के. सिंह ने जैव सुरक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें पशु कल्याण के लिए इसे अपने फार्म पर उपयोग में लाना चाहिये। उन्होंने कहा कि पशुधन उत्पादन के लिए पशु कल्याण एक महत्वपूर्ण अंग है। पशुधन उत्पादन प्रबन्धन के बिना भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक या कोई भी डीएनए तकनीक का कार्यान्वयन संभव नही है। अतः पशुधन उत्पादन प्रबन्धन अनुभाग द्वारा आोजित यह समर स्कूल समय की मांग के अनुरूप है। अंत में डा. सिंह ने प्रशिक्षणाथियों से आशा व्यक्त की इस अर्जित ज्ञान का प्रयोग अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर अवश्य करें जिससे पशु कल्याण हो सके।

इस अवसर पर पशुधन उत्पादन प्रबन्धन के पूर्व विभागाध्यक्ष, डा. एच.एन. पाण्डे ने पाठ्यक्रम में समावेश विषयों की चर्चा करते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम को बहुत ही अच्छा डिजाइन किया है। इस कोर्स सेे पशु कल्याण से जुड़े सभी लोग इसका लाभ उठा सकते हैं।

पाठ्यक्रम निदेशक डा. जी. के गौड़ ने पाठ्यक्रम की प्रगति आख्या रिपोर्ट रखते हुए कहा कि यदि पशुओं का व्यवहार व स्वास्थ्य सही है तो वह देश पशु कल्याण के क्षेत्र में उन्नत होगा। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन में बेहतर पशु उत्पादकता को बनाये रखना तथा पशु कल्याण करना आज एक मुख्य चुनौती है। डा. गौड़ ने बताया

कि इस समर स्कूल में देश के विभिन्न प्रांतो तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, अगरतला, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश के 23 सहायक प्राध्यापकों ने भाग लिया तथा इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को 38 व्याख्यान तथा प्रयोगात्मक कराये गये साथ ही संस्थान के मुक्तेश्वर परिसर तथा गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में भी व्याख्यान आयोजित किये गये तथा भ्रमण कराया गया।

पाठ्यक्रम के समन्वयक तथा केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. चन्द्रहास ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पशुधन उत्पादन प्रबन्धन के वैज्ञानिक डा. पी.के. भारती द्वारा दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्राध्यापक डा. डी.एन. कामरा, पशु पोषण विभाग के विभागाध्यक्ष डा. ए.के. वर्मा, डा. नारायण दत्ता, डा. पुतान सिंह, डा. मिहिर साहू, डा. वी.के. गुप्ता, डा. मुकेश सिंह, डा.ए.के.एस. तोमर सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।